Roll. No. : .....

BAJY (N)-101

First Semester Examination, 2024 (June)

[भारतीय ज्ञान परम्परा में ब्रह्माण्ड एवं काल विवेचन]

Time : 2 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (2) खण्डों (क) तथा (ख) में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (क) में पाँच (5) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। **2 × 19 = 38**

1. भारतीय ज्ञान परम्परा को प्रतिपादित करते हुए आकाशगंगा एवं निहारिका का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. भारतीय चिन्तन धारा में ब्रह्माण्डोत्पत्ति के सिद्धान्त का विवेचन कीजिये।

3. काल को परिभाषित करते हुए आधुनिक एवं प्राचीन सूक्ष्म कालों की तुलना कीजिये।

4. ऋतु, अयन गोल एवं वर्ष का सैद्धान्तिक वर्णन कीजिये।

5. स्वकल्पित उदाहरण के साथ तिथि एवं नक्षत्र साधन करें।

अथवा

टिप्पणी लिखिये–

(क) ग्रहकक्षा

(ख) युग–महायुग तथा मनु मान

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड (ख) में आठ (8) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

4 × 8 = 32

1. सौर परिवार के अन्तर्गत भीम एवं गुरु ग्रह के बारे में लिखिये।

2. धूमकेतु एवं उल्का से क्या तात्पर्य है?

3. अधिमास एवं क्षयमास का वर्णन कीजिये।

4. प्राणादि मूर्त काल का विवेचन करें।

5. वार क्रम का सैद्धान्तिक प्रतिपादन करें।

6. करण से आप क्या समझते है?

7. ग्रह एवं उपग्रह में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

8. सौर परिवार की संक्षिप्त व्याख्या करें।

****